

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

tio 453]

नद्दे विल्ली, बुधवार, अस्तुबर 19, 1977/ग्राहिबन 27, 1899

No. 453]

NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 19, 1977/ASVINA 27, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ तंत्रवा दी जाती है जिसते कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compllation

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 19th October 1977

S.O. 731(E).—In exercise of the powers conferred by Section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following amendment in the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No SO 512(E), dated the 30th July, 1976 namely—

In the said Order, in the first paragraph, for heading "Chairman" and "Members" and the entries thereunder, the following shall respectively be substituted, namely.—

Chairman

1 Shri I. L. Tripathi, Tripathi Pareek (Consultants) Private Ltd., 18 Netaji Subhash Road, Calcutta-700 001

Members

- Shri N. K. Bose, C/o MacNeil & Magor Ltd., 2, Fairlie Place, Calcutta-700001.
- Shri P V Suba Rao, (Commercial Division) State Bank of India, 1, Stand Road, Calcutta

- 4. Shri B M Saxena, Debuty General Manager, Industrial Development Bank of India, Calcutta
- 5 Shri O P Berry, General Manager, Special Loans, Industrial Development Bank of India, Bombay
- 6 Shri R. N Sengupta, Secretary, Labour Department, Govt. of West Bengal, Calcutta
- 7. Shri K K Chatterjee, Industrial Adviser, Office of the Jute Commissioner, Calcutta.
- 8 Shri S K, Bhattacharya, Regional Manager, Industrial Finance Corporation of India, Calcutta
- 9 Shri G Ukil, Managing Director, Jute Corporation of India, Calcutta.

INO F. 3/7/76-CUC 1

B. R. R. IYENGAR, Jt. Secy

उद्योग मंत्रालय

(ग्रीद्योगिक जिकास जिभाग)

ग्रादेश

नई दिल्ली, 19 श्रक्तुबर, 1977

का० ग्रा० 731 (ग्र).—उद्योग (विकास ग्रौर विनियमन) ग्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार भारत सरकार के भतपूर्व उद्योग तथा नागरिक पूर्ति मंत्रालय (भ्रौद्योगिक विकास विभाग) के श्रादेश सं का का व शा व 512(भ्र) दिनाक 30 जुलाई, 1976 में एतदबारा निम्नलिखिन संगोधन करती है: भ्रयति :--

उक्त म्रादेश के प्रथम पैरा में 'म्रध्यक्ष' तथा 'सदस्य', शीर्षको तथा उनके मन्तर्गत प्रविध्यों के स्थान पर कमशः निम्नलिखित को रखा जायेगाः प्रयति :--

ग्रध्यक्ष

1 श्री प्राई० एल० तिपाठी, तिपाठी पारिक (कसलटेंट्स) प्रा० लि०, 18, नेताजी स्भाष मार्गे, कलकत्ता-700001

सरम्य

- 2. श्री एन० के विवास, द्वारा मैकनेल एण्ड मेगर लि०, 2, फोयरलाई प्लेस, कलकता--700001
- 3 श्री पी० वी० सुवाराव, (वागिज्यिक प्रभाग), भारतीय स्टेट बैंक, 1, स्टैड रोड. कलकता ।
- श्री बी० एम० सक्सेना, उप महा प्रबन्धक, भारतीय श्रौद्योगिक विकास बैंक, कलकसा ।
- श्री ग्रो० पी० बेरी, महा प्रबन्धक, विशेष ऋण, भारतीय भौद्योगिक विकास बैंक: बस्बर्छ।

- 6. श्री भ्रारं एन सेनगुष्ता, सचिव, श्रम विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार,
- 7. श्री के० के० चटर्जी, श्रौद्योगिक सलाहकार, पटसन श्रायुक्त का कार्यालय फलकला ।
- 8. श्री एस० के० भट्टाचार्य, क्षेत्रीय प्रबन्धक, भारतीय ग्रौद्योगिक वित्त निगम, कलकत्ता ।
- 9. श्री जी० उकिल, प्रबन्ध निदेशक, भारतीय पटसन निगम, कलकत्ता ।

[सं० फा० 3/7/76-सी०यू०सी०]

बी० स्नार० म्नारं मायंगर, संयुक्त सचिव।